रीडिंग और ट्रेनिंग.वेब

चरण तीन B1.2

सर आर्थर कॉनन डॉयल

अंतिम समस्या और अन्य कहानियाँ

मुफ़्त वेब गतिविधियाँ

सुनने वाली सी डी

काला बिल्ली

अंतिम समस्या

भारी मन से मैं कलम उठाकर ये अंतिम शब्द लिख रहा हूँ जिनमें मैं अपने मित्र श्री शर्लक होम्स की विलक्षण प्रतिभाओं का वर्णन करूँगा। एक अव्यवस्थित और, जैसा कि मैं गहराई से महसूस करता हूँ, पूरी तरह से अपर्याप्त तरीके से, मैंने उनके साथ बिताए अपने विचित्र अनुभवों का कुछ विवरण देने का प्रयास किया है, उस संयोग से जो हमें पहली बार "स्टडी इन स्कारलेट" के समय मिला था, से लेकर "नौसेना संधि" के मामले में उनके हस्तक्षेप तक - एक ऐसा हस्तक्षेप जिसका निर्विवाद प्रभाव एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय जटिलता को रोकने में हुआ। मेरा इरादा यहीं रुकने का था, और उस घटना के बारे में कुछ भी न कहने का था जिसने मेरे जीवन में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है जिसे दो साल बीतने के बाद भी भरने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। हालाँकि, कर्नल जेम्स मोरियार्टी द्वारा अपने भाई की स्मृति का बचाव करने वाले हालिया पत्रों ने मुझे विवश कर दिया है, और मेरे पास जनता के सामने तथ्यों को ठीक उसी रूप में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जैसे वे घटित हुए थे। इस मामले की परम सच्चाई केवल मैं ही जानता हूँ, और मुझे पूरा विश्वास है कि अब इसे दबाने का कोई औचित्य नहीं है। जहाँ तक मुझे जानकारी है, सार्वजनिक प्रेस में केवल तीन ही खबरें प्रकाशित हुई हैं: 6 मई, 1891 को जर्नल डी जिनेवा में प्रकाशित खबर, 7 मई को रॉयटर्स द्वारा अंग्रेजी अखबारों में प्रकाशित खबर, और अंत में वे हालिया पत्र जिनका मैंने उल्लेख किया है। इनमें से पहली और दूसरी खबर अत्यंत संक्षिप्त थीं, जबकि तीसरी खबर, जैसा कि मैं अब दिखाऊंगा, तथ्यों का पूर्णतः विकृत रूप है। प्रोफेसर मोरियार्टी और श्री शर्लक होम्स के बीच वास्तव में क्या हुआ था, यह पहली बार बताने का दायित्व मेरा है।

यह याद रखना चाहिए कि मेरी शादी और उसके बाद निजी वकालत शुरू करने के बाद, होम्स और मेरे बीच जो घनिष्ठ संबंध थे, उनमें कुछ बदलाव आ

गया। वे अब भी समय-समय पर मुझसे सलाह लेने आते थे जब उन्हें अपने मामलों की जांच में किसी साथी की आवश्यकता होती थी, लेकिन ये अवसर धीरे-धीरे कम होते गए, यहाँ तक कि 1890 में मुझे केवल तीन मामलों का ही रिकॉर्ड मिला। उसी वर्ष की सर्दियों और 1891 के शुरुआती वसंत में, मैंने अखबारों में पढ़ा कि उन्हें फ्रांसीसी सरकार द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में नियुक्त किया गया था, और मुझे होम्स के दो पत्र मिले, जो नार्बोन और नीम्स से लिखे गए थे, जिनसे मुझे पता चला कि उनका फ्रांस में प्रवास लंबा होने वाला है। इसलिए, 24 अप्रैल की शाम को जब मैंने उन्हें अपने परामर्श कक्ष में आते देखा तो मुझे कुछ आश्चर्य हुआ। मुझे लगा कि वे पहले से भी अधिक पीले और दुबले दिख रहे थे।

"हाँ, मैं आजकल कुछ ज़्यादा ही बेहिसाब खर्च कर रहा हूँ," उसने मेरी बातों के बजाय मेरी नज़र के जवाब में कहा; "हाल ही में मुझ पर थोड़ा दबाव रहा है। क्या आपको मेरे द्वारा आपके शटर बंद करने पर कोई आपत्ति है?"

कमरे में एकमात्र रोशनी उस मेज पर रखे लैंप से आ रही थी जिस पर बैठकर मैं पढ़ रहा था। होम्स दीवार के चारों ओर घूमकर अंदर आया और खिड़कियों के शटर को एक साथ बंद करके मजबूती से कुंडी लगा दी।

"क्या तुम किसी बात से डरते हो?" मैंने पूछा।

"बहुत अच्छा मैं हूं।"

"किस?"

"हवाई तोपों का।"

"मेरे प्यारे होम्स, आपका क्या मतलब है?"

"मुझे लगता है कि आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, वॉटसन, यह समझने के लिए कि मैं बिल्कुल भी डरपोक आदमी नहीं हूँ। साथ ही, जब खतरा करीब हो तो उसे पहचानने से इनकार करना मूर्खता है, साहस नहीं। क्या मैं

आपसे एक माचिस मांग सकता हूँ?" उसने सिगरेट का धुआँ ऐसे खींचा मानो वह उसके सुकून भरे प्रभाव का आभारी हो।

"मुझे इतनी देर से फोन करने के लिए क्षमा मांगनी चाहिए," उसने कहा, "और मैं आपसे यह भी विनती करता हूं कि आप इतनी अपरंपरागत हों कि मुझे अभी आपके घर से निकलने की अनुमति दें, जिसके लिए मुझे आपके पीछे के बगीचे की दीवार फांदकर जाना होगा।"

"लेकिन इन सबका मतलब क्या है?" मैंने पूछा।

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और मैंने दीपक की रोशनी में देखा कि उसकी दो उंगलियों के जोड़ फट गए थे और उनसे खून बह रहा था।

"यह कोई मामूली चीज़ नहीं है," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "बल्कि, यह इतनी ठोस है कि इस पर कोई अपना हाथ तोड़ सकता है। क्या श्रीमती वॉटसन अंदर हैं?"

वह घूमने गई हुई है।

"सचमुच! आप अकेले हैं?"

"अत्यंत।"

"तब मेरे लिए यह प्रस्ताव रखना और भी आसान हो जाता है कि आप मेरे साथ एक सप्ताह के लिए यूरोप घूमने चलें।"

"कहाँ?"

"कहीं भी। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

इस सबमें कुछ बहुत अजीब था। होम्स का स्वभाव ऐसा नहीं था कि वे बिना किसी उद्देश्य के छुट्टी पर चले जाते हों, और उनके पीले, थके हुए चेहरे को देखकर मुझे लगा कि वे बहुत तनाव में हैं। उन्होंने मेरी आँखों में सवाल देखा और अपनी उंगलियों को आपस में जोड़कर और कोहनियों को घुटनों पर टिकाकर, उन्होंने स्थिति समझाई।

"शायद आपने प्रोफेसर मोरियार्टी के बारे में कभी नहीं सुना होगा?" उसने कहा।

"कभी नहीं।"

“अरे वाह, यही तो इस मामले की खूबी और अजूबा है!” वह चिल्लाया। “वह आदमी पूरे लंदन में छाया हुआ है, और किसी ने उसके बारे में सुना तक नहीं है। यही बात उसे अपराध के इतिहास में सबसे ऊँचा स्थान देती है। मैं तुमसे, वॉटसन, पूरी गंभीरता से कहता हूँ कि अगर मैं उस आदमी को हरा दूँ, अगर मैं समाज को उससे मुक्त करा दूँ, तो मुझे लगेगा कि मेरा करियर शिखर पर पहुँच गया है, और मैं जीवन में किसी शांत मार्ग की ओर मुड़ने के लिए तैयार हो जाऊँगा। हम दोनों के बीच, हाल के जिन मामलों में मैंने स्कैंडिनेविया के शाही परिवार और फ्रांसीसी गणराज्य की सहायता की है, उन्होंने मुझे ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है कि मैं अपने मनपसंद शांत जीवन को जारी रख सकता हूँ, और अपना ध्यान अपने रासायनिक शोधों पर केंद्रित कर सकता हूँ। लेकिन मैं चैन से नहीं बैठ सकता। वॉटसन, मैं अपनी कुर्सी पर चैन से नहीं बैठ सकता, अगर मैं यह सोचूँ कि प्रोफेसर मोरियार्टी जैसा आदमी लंदन की सड़कों पर बेरोकटोक घूम रहा है।”

"तो उसने क्या किया है?"

उनका जीवन असाधारण रहा है। वे उच्च कुल के और उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त व्यक्ति हैं, जिन्हें प्रकृति ने असाधारण गणितीय प्रतिभा से संपन्न किया है। इक्कीस वर्ष की आयु में उन्होंने द्विपद प्रमेय पर एक शोधपत्र लिखा, जो यूरोप में काफी लोकप्रिय हुआ। इसी के बल पर उन्होंने हमारे एक छोटे विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर का पद प्राप्त किया और उनका भविष्य उज्ज्वल प्रतीत होता था। लेकिन उनमें वंशानुगत रूप से बेहद शातिर प्रवृत्ति थी। उनके रक्त में अपराध की प्रवृत्ति थी, जो उनकी असाधारण मानसिक शक्तियों के कारण कम होने के बजाय और भी बढ़ गई और असीम रूप से खतरनाक हो गई। विश्वविद्यालय के शहर में उनके बारे में अफवाहें फैलने लगीं और अंततः उन्हें अपना पद त्यागकर लंदन वापस आना पड़ा,

जहाँ उन्होंने सेना के कोच के रूप में काम शुरू किया। इतना तो दुनिया को ज्ञात है, लेकिन जो मैं आपको बता रहा हूँ वह मैंने स्वयं खोजा है।

"जैसा कि आप जानते हैं, वॉटसन, लंदन की उच्च स्तरीय आपराधिक दुनिया को मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता। पिछले कई वर्षों से मैं लगातार अपराधियों के पीछे किसी शक्ति, किसी गहरी संगठनात्मक शक्ति का बोध करता रहा हूँ, जो हमेशा कानून के रास्ते में खड़ी रहती है और अपराधी को अपनी ढाल बनाकर रखती है। बार-बार, विभिन्न प्रकार के मामलों में - जालसाजी के मामले, डकैती, हत्या - मैंने इस शक्ति की उपस्थिति को महसूस किया है, और मैंने उन अनेक अनसुलझे अपराधों में भी इसकी क्रियाविधि का अनुमान लगाया है जिनमें मुझसे व्यक्तिगत रूप से परामर्श नहीं लिया गया था। वर्षों से मैंने उस पर्दे को हटाने का प्रयास किया है जिसने इसे ढक रखा था, और अंततः वह समय आ गया जब मैंने अपना सुराग पकड़ा और उसका अनुसरण किया, जब तक कि वह मुझे हजारों पेचीदा मोड़ों के बाद, गणित के ख्यातिप्राप्त पूर्व प्रोफेसर मोरियार्टी तक नहीं ले गया।"

"वॉटसन, वह अपराध का नेपोलियन है। इस महान शहर में होने वाली आधी बुराई और लगभग हर उस चीज़ का आयोजक वही है जो पकड़ी नहीं जाती। वह एक प्रतिभाशाली, दार्शनिक और अमूर्त विचारक है। उसका दिमाग असाधारण है। वह मकड़ी की तरह अपने जाले के केंद्र में स्थिर बैठा रहता है, लेकिन उस जाले की हज़ार शाखाएँ हैं और वह उनमें से हर एक की हर हलचल को भली-भांति जानता है। वह स्वयं बहुत कम करता है। वह केवल योजनाएँ बनाता है। लेकिन उसके एजेंट असंख्य और शानदार ढंग से संगठित हैं। क्या कोई अपराध करना है, कोई कागज़ चुराना है, किसी घर में चोरी करनी है, किसी व्यक्ति को हटाना है - यह बात प्रोफेसर को बता दी जाती है, मामला संगठित किया जाता है और अंजाम दिया जाता है। एजेंट पकड़ा जा सकता है। उस स्थिति में उसकी ज़मानत या बचाव के लिए पैसे का इंतज़ाम किया जाता है। लेकिन एजेंट का इस्तेमाल करने वाली केंद्रीय शक्ति कभी पकड़ी नहीं जाती - उस पर कभी शक भी

नहीं होता। वॉटसन, यही वह संगठन था जिसका मैंने पता लगाया था और जिसे उजागर करने और तोड़ने में मैंने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी थी।"

लेकिन प्रोफेसर को इतनी चालाकी से सुरक्षा घेरे में रखा गया था कि लाख कोशिश करने के बावजूद भी अदालत में उसे दोषी साबित करने वाले सबूत जुटाना नामुमकिन लग रहा था। मेरे प्यारे वॉटसन, तुम मेरी क्षमताओं को जानते हो, फिर भी तीन महीने बाद मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि आखिरकार मुझे एक ऐसा प्रतिद्वंद्वी मिल गया जो बौद्धिक रूप से मेरे बराबर था। उसके अपराधों के प्रति मेरी घृणा उसकी कुशलता के प्रति मेरी प्रशंसा में दब गई। लेकिन आखिरकार उसने एक यात्रा की - छोटी सी यात्रा, लेकिन जब मैं उसके इतने करीब था, तो यह उसके बस से बाहर थी। मुझे मौका मिल गया था, और उसी क्षण से मैंने उसके चारों ओर अपना जाल बुनना शुरू कर दिया, और अब यह बंद होने के कगार पर है। तीन दिनों में - यानी अगले सोमवार को - मामला पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, और प्रोफेसर अपने गिरोह के सभी प्रमुख सदस्यों के साथ पुलिस की गिरफ्त में होगा। तब सदी का सबसे बड़ा आपराधिक मुकदमा चलेगा, चालीस से अधिक रहस्यों का खुलासा होगा, और उन सभी को फांसी की सजा मिलेगी; लेकिन अगर हम जरा भी जल्दबाजी करते हैं, तो तुम समझते हो, वे हमारे हाथों से फिसल सकते हैं। अंतिम क्षण में भी।

"अगर मैं यह सब प्रोफ़ेसर मोरियार्टी की जानकारी के बिना कर पाता, तो सब ठीक होता। लेकिन वह बहुत चालाक था। उसने मेरे हर उस कदम को देखा जिससे मैं उसे अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा था। बार-बार उसने मुझसे दूर भागने की कोशिश की, लेकिन मैंने उतनी ही बार उसे नाकाम कर दिया। मैं तुम्हें बताता हूँ, मेरे दोस्त, कि अगर उस खामोश मुकाबले का विस्तृत वर्णन लिखा जा सके, तो जासूसी के इतिहास में वह सबसे शानदार दांव-पेच का उदाहरण बन जाएगा। मैं कभी इतनी ऊँचाई तक नहीं पहुँचा, और न ही कभी किसी प्रतिद्वंद्वी ने मुझे इतना परेशान किया। उसने मुझ पर गहरा वार किया, फिर भी मैंने उसे मात दे दी। आज सुबह आखिरी कदम उठाए गए, और काम पूरा करने के लिए सिर्फ तीन दिन बचे थे। मैं अपने कमरे में बैठकर इस मामले पर सोच

रहा था कि तभी दरवाजा खुला और प्रोफ़ेसर मोरियार्टी मेरे सामने खड़े थे।"

"वॉटसन, मेरी घबराहट इस बात का पुख्ता सबूत है, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जब मैंने उस व्यक्ति को अपने दरवाजे पर खड़ा देखा, जिसके बारे में मैं बहुत सोच रहा था, तो मैं चौंक गया। उसका चेहरा मुझे जाना-पहचाना सा लगा। वह बेहद लंबा और पतला है, उसका माथा सफेद गोलाई में उभरा हुआ है, और उसकी दोनों आंखें धंसी हुई हैं। वह क्लीन-शेव्ड, पीला और तपस्वी जैसा दिखता है, फिर भी उसके चेहरे पर प्रोफेसर की झलक दिखती है। पढ़ाई के कारण उसके कंधे झुके हुए हैं, और उसका चेहरा आगे की ओर निकला हुआ है और एक अजीब से सरीसृप की तरह धीरे-धीरे इधर-उधर हिलता रहता है। उसने अपनी सिकुड़ी हुई आंखों से बड़ी जिज्ञासा से मुझे देखा।"

"आखिरकार उसने कहा, 'तुम्हारे माथे का विकास मेरी अपेक्षा से कम हुआ है। ड्रेसिंग गाउन की जेब में भरी हुई बंदूकों को उंगली से छूना एक खतरनाक आदत है।'

असल बात तो यह है कि उसके आते ही मैंने तुरंत खुद पर मंडरा रहे गंभीर खतरे को भांप लिया था। उसके बचने का एकमात्र रास्ता मेरी ज़बान बंद करना ही था। पलक झपकते ही मैंने दराज से रिवॉल्वर निकालकर अपनी जेब में रख ली और कपड़े के ऊपर से ही उस पर निशाना साध लिया। उसकी टिप्पणी पर मैंने हथियार बाहर निकाला और उसे कॉक करके मेज पर रख दिया। वह अब भी मुस्कुरा रहा था और पलकें झपका रहा था, लेकिन उसकी आँखों में कुछ ऐसा था जिससे मुझे बहुत खुशी हुई कि हथियार मेरे पास था।

"तुम मुझे जानते नहीं हो," उसने कहा।

"इसके विपरीत," मैंने उत्तर दिया, "मुझे लगता है कि यह काफी स्पष्ट है कि मैं ऐसा करता हूँ। कृपया बैठ जाइए। अगर आपको कुछ कहना हो तो मैं आपको पाँच मिनट का समय दे सकता हूँ।"

"'जो कुछ मुझे कहना था, वह सब आपके दिमाग में पहले ही आ चुका है,' उसने कहा।

" 'तो शायद मेरा जवाब आपके सामने से गुजर चुका है,' मैंने जवाब दिया।

"'क्या तुम दृढ़ हो?'"

" 'बिल्कुल। '

"उसने अपना हाथ अपनी जेब में डाला, और मैंने मेज से पिस्तौल उठा ली। लेकिन उसने केवल एक मेमोरेंडम-बुक निकाली जिसमें उसने कुछ तारीखें लिखी हुई थीं।"

“तुम चार जनवरी को मेरे रास्ते में आए थे,” उसने कहा। “तेईस तारीख को तुमने मुझे असुविधा पहुँचाई; फरवरी के मध्य तक तुमने मुझे गंभीर रूप से परेशान किया; मार्च के अंत तक मेरी योजनाएँ पूरी तरह से बाधित हो गईं; और अब, अप्रैल के अंत में, तुम्हारे निरंतर उत्पीड़न के कारण मैं ऐसी स्थिति में आ गया हूँ कि मेरी स्वतंत्रता छिनने का खतरा मंडरा रहा है। स्थिति असहनीय होती जा रही है।”

मैंने पूछा, "क्या आपके पास कोई सुझाव है?"

"'आपको इसे छोड़ देना चाहिए, मिस्टर होम्स,' उसने अपना चेहरा हिलाते हुए कहा। 'आपको सचमुच ऐसा करना चाहिए, आप जानते हैं।'"

मैंने कहा, "'सोमवार के बाद।'"

“अरे, अरे!’ उसने कहा। “मुझे पूरा यकीन है कि आप जैसे बुद्धिमान व्यक्ति को यह समझ आ जाएगा कि इस मामले का केवल एक ही परिणाम हो सकता है। यह आवश्यक है कि आप पीछे हट जाएं। आपने इस तरह से काम किया है कि हमारे पास अब केवल एक ही उपाय बचा है। आपने जिस तरह से इस मामले को संभाला है, उसे देखना मेरे लिए बौद्धिक रूप से एक

शानदार अनुभव रहा है, और मैं बिना किसी संकोच के कहता हूं कि कोई भी कठोर कदम उठाना मेरे लिए बहुत दुखदायी होगा। आप मुस्कुराते हैं, महोदय, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह वास्तव में मेरे लिए बहुत दुखदायी होगा।”

मैंने कहा, "खतरा तो मेरे पेशे का हिस्सा है।"

"'यह खतरा नहीं है,' उसने कहा। 'यह तो अपरिहार्य विनाश है। आप न केवल एक व्यक्ति के रास्ते में खड़े हैं, बल्कि एक शक्तिशाली संगठन के रास्ते में भी, जिसकी पूरी क्षमता को आप अपनी सारी चतुराई के बावजूद समझ नहीं पाए हैं। आपको हट जाना चाहिए, श्री होम्स, वरना आपको पैरों तले रौंदा जाएगा।'

मैंने उठते हुए कहा, 'मुझे डर है कि इस बातचीत के आनंद में मैं कहीं और मेरा इंतजार कर रहे महत्वपूर्ण काम की उपेक्षा कर रहा हूँ।'

"वह भी उठा और चुपचाप मेरी ओर देखता रहा, उसने दुख से अपना सिर हिलाया।"

"'अच्छा, अच्छा,' उसने अंत में कहा। 'यह खेदजनक लगता है, लेकिन मैंने वह कर दिखाया जो मैं कर सकता था। मैं तुम्हारे खेल की हर चाल जानता हूँ। सोमवार से पहले तुम कुछ नहीं कर सकते। यह तुम्हारे और मेरे बीच एक द्वंद्व था, मिस्टर होम्स। तुम मुझे कटघरे में खड़ा करना चाहते हो। मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं कभी कटघरे में खड़ा नहीं होऊंगा। तुम मुझे हराना चाहते हो। मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम मुझे कभी नहीं हरा पाओगे। यदि तुम मुझे नष्ट करने के लिए काफी चालाक हो, तो निश्चिंत रहो कि मैं भी तुम्हारा यही हाल करूंगा।'

"'आपने मेरी कई प्रशंसाएँ की हैं, श्री मोरियार्टी,' मैंने कहा। 'मैं भी बदले में आपकी प्रशंसा करते हुए कहूँ कि यदि मुझे पहली संभावना का आश्वासन मिल जाए, तो मैं जनता के हित में दूसरी संभावना को सहर्ष स्वीकार कर लूँगा।'

"'मैं तुम्हें एक का वादा कर सकता हूँ, लेकिन दूसरे का नहीं,' उसने गुर्राते हुए कहा और मेरी तरफ पीठ करके कमरे से बाहर झाँकते और पलकें झपकाते हुए चला गया।"

"प्रोफेसर मोरियार्टी के साथ मेरा वह एकमात्र साक्षात्कार था। मैं स्वीकार करता हूँ कि इसने मेरे मन पर अप्रिय प्रभाव छोड़ा। उनकी कोमल, सटीक बोलने की शैली ईमानदारी का ऐसा विश्वास पैदा करती है जो किसी धूर्त व्यक्ति में नहीं हो सकता। बेशक, आप कहेंगे: 'उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं की गई?' इसका कारण यह है कि मुझे पूरा विश्वास है कि उन्हीं के एजेंटों द्वारा हमला किया जाएगा। मेरे पास इसके पुख्ता सबूत हैं।"

"क्या आप पर पहले ही हमला हो चुका है?"

मेरे प्रिय वॉटसन, प्रोफ़ेसर मोरियार्टी ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो खाली बैठे रहें। मैं दोपहर के आसपास ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट में कुछ काम से निकला था। जैसे ही मैं बेंटिंक स्ट्रीट से वेल्बेक स्ट्रीट क्रॉसिंग की ओर जाने वाले कोने से गुज़रा, एक दो घोड़ों वाली वैन तेज़ी से मेरी ओर आई और पलक झपकते ही मेरी तरफ़ बढ़ गई। मैं फ़ुटपाथ की ओर भागा और बाल-बाल बच गया। वैन मैरीलेबोन लेन से घूमकर पलक झपकते ही गायब हो गई। उसके बाद मैं फ़ुटपाथ पर ही चलता रहा, वॉटसन, लेकिन जैसे ही मैं वेरे स्ट्रीट से नीचे आया, एक घर की छत से एक ईंट गिरी और मेरे पैरों के पास चूर-चूर हो गई। मैंने पुलिस को बुलाया और जगह की जाँच करवाई। छत पर कुछ मरम्मत के लिए स्लेट और ईंटें रखी हुई थीं, और वे मुझे यह विश्वास दिलाना चाहते थे कि हवा से उनमें से एक गिर गई थी। बेशक मुझे बेहतर पता था, लेकिन मैं कुछ भी साबित नहीं कर सका। उसके बाद मैंने एक टैक्सी ली और पैल मॉल में अपने भाई के कमरे में पहुँचा, जहाँ मैंने पूरा दिन बिताया। अब मैं मैं आपके पास आया था, और रास्ते में मुझ पर एक बदमाश ने लाठी से हमला कर दिया। मैंने उसे नीचे गिरा दिया, और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है; लेकिन मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि जिस सज्जन के दाँतों पर मैंने अपनी

उंगलियाँ घिसी हैं, और उस गणित के शिक्षक के बीच कोई संबंध नहीं हो सकता, जो शायद दस मील दूर किसी ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल कर रहे होंगे। वाटसन, आपको आश्चर्य नहीं होगा कि आपके कमरे में प्रवेश करते ही मैंने सबसे पहले आपके शटर बंद किए, और मुझे घर से बाहर निकलने के लिए सामने के दरवाजे के बजाय किसी कम ध्यान खींचने वाले रास्ते से निकलने की अनुमति माँगनी पड़ी।

मैंने अक्सर अपने दोस्त के साहस की प्रशंसा की थी, लेकिन अब से पहले कभी इतनी नहीं, जब वह चुपचाप बैठकर उन घटनाओं की एक श्रृंखला का ब्यौरा दे रहा था, जो मिलकर एक भयावह दिन का निर्माण करती होंगी।

मैंने कहा, "क्या तुम आज रात यहीं रुकोगे?"

नहीं, मेरे दोस्त, तुम मुझे एक खतरनाक मेहमान समझ सकते हो। मैंने अपनी योजना बना ली है, और सब ठीक हो जाएगा। मामला अब इतना आगे बढ़ चुका है कि गिरफ्तारी के मामले में मेरी मदद के बिना भी काम चल सकता है, हालांकि दोष सिद्ध करने के लिए मेरी उपस्थिति आवश्यक है। इसलिए यह स्पष्ट है कि पुलिस के कार्रवाई करने से पहले बचे कुछ दिनों के लिए मेरे लिए यहाँ से चले जाना ही बेहतर है। इसलिए, अगर तुम मेरे साथ महाद्वीप पर आ सको तो मुझे बहुत खुशी होगी।

मैंने कहा, "यह क्लिनिक शांत है, और मेरा पड़ोसी भी बहुत सहयोगी है। मुझे आने में खुशी होगी।"

और कल सुबह से शुरू करें?

"यदि आवश्यक है।"

"ओह, जी हाँ, यह अत्यंत आवश्यक है। तो ये आपके निर्देश हैं, और मैं आपसे विनती करता हूँ, मेरे प्रिय वॉटसन, कि आप इनका अक्षरशः पालन करें, क्योंकि आप अब यूरोप के सबसे चालाक बदमाश और सबसे शक्तिशाली आपराधिक गिरोह के खिलाफ मेरे साथ दोहरी चाल चल रहे हैं। अब सुनो! आज रात आप अपना सारा सामान एक भरोसेमंद संदेशवाहक के द्वारा

विक्टोरिया को संबोधित किए बिना भेज दें। सुबह आप एक हैंसम (गाड़ी) मंगवाएँ, और अपने आदमी से कहें कि वह जो भी पहली या दूसरी गाड़ी मिले, उसे न ले। आप उस हैंसम में कूद जाएँ, और लोथर आर्केड के स्ट्रैंड छोर तक जाएँ, और टैक्सी चालक को कागज की एक पर्ची पर पता देते हुए कहें कि वह उसे फेंके नहीं। अपना किराया तैयार रखें, और जैसे ही आपकी टैक्सी रुके, आर्केड से दौड़ते हुए निकलें, और ध्यान रखें कि आप ठीक सवा नौ बजे दूसरी तरफ पहुँच जाएँ। आपको फुटपाथ के पास एक छोटी बग्घी (गाड़ी) खड़ी मिलेगी, जिसे एक भारी काले लबादे वाला व्यक्ति चला रहा होगा, जिसके कॉलर पर लाल रंग की पट्टी लगी होगी। इसमें आप बैठ जाएँ।" बस कदम बढ़ाते जाइए, और आप कॉन्टिनेंटल एक्सप्रेस पकड़ने के लिए समय पर विक्टोरिया पहुंच जाएंगे।"

मैं आपसे कहाँ मिलूँ?

"स्टेशन पर। आगे से दूसरा प्रथम श्रेणी का डिब्बा हमारे लिए आरक्षित होगा।"

"तो फिर, गाड़ी ही हमारा मिलन स्थल है?"

"हाँ।"

मैंने होम्स से शाम रुकने का जो अनुरोध किया, वह व्यर्थ ही था। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि उसे लगा कि वह जिस छत के नीचे है, वहाँ मुसीबत खड़ी कर सकता है, और यही कारण था कि वह चला गया। कल की योजनाओं के बारे में कुछ जल्दबाज़ी में बातें करने के बाद वह उठा और मेरे साथ बगीचे में आया। उसने मॉर्टिमर स्ट्रीट की ओर जाने वाली दीवार फांद ली और तुरंत एक गाड़ी के लिए सीटी बजाई, जिसे मैंने उसकी गाड़ी में बैठकर जाते हुए सुना।

सुबह मैंने होम्स के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया। एक हैंसम (गाड़ी) का इंतजाम किया गया, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि वह पहले से हमारे लिए तैयार न रखी गई हो। नाश्ते के तुरंत बाद मैं लोथर आर्केड के लिए रवाना हुआ और पूरी रफ्तार से वहां से गुजरा।

वहां एक बग्घी (घोड़ागाड़ी) इंतजार कर रही थी, जिसमें एक भारी-भरकम ड्राइवर था, जिसने गहरे रंग का लबादा ओढ़ रखा था। जैसे ही मैं उसमें बैठा, उसने गाड़ी को चाबुक मारा और विक्टोरिया स्टेशन की ओर तेजी से निकल गया। मेरे वहां उतरते ही उसने गाड़ी घुमाई और मेरी तरफ देखे बिना ही फिर से तेजी से भाग गया।

अब तक सब कुछ ठीक चल रहा था। मेरा सामान मेरा इंतज़ार कर रहा था, और मुझे होम्स द्वारा बताए गए डिब्बे को ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई, खासकर इसलिए क्योंकि ट्रेन में वही एक डिब्बा "बुकिंग" के लिए आरक्षित था। अब मेरी चिंता का एकमात्र कारण होम्स का न आना था। स्टेशन की घड़ी में हमारे प्रस्थान के समय से केवल सात मिनट बचे थे। मैंने यात्रियों और विदाई लेने वालों के समूहों में अपने मित्र की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। मैंने कुछ मिनट एक आदरणीय इतालवी पादरी की मदद करने में बिताए, जो एक कुली को उसकी टूटी-फूटी अंग्रेजी में यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि उनका सामान पेरिस तक बुक किया गया है। फिर, चारों ओर एक नज़र डालने के बाद, मैं अपने डिब्बे में लौट आया, जहाँ मैंने पाया कि कुली ने टिकट होने के बावजूद, मेरे बूढ़े इतालवी मित्र को ही मेरे साथ यात्रा करने के लिए भेज दिया था। उसे यह समझाना मेरे लिए व्यर्थ था कि उसकी उपस्थिति एक अतिक्रमण है, क्योंकि मेरी इतालवी भाषा उसकी अंग्रेजी से भी कहीं अधिक सीमित थी, इसलिए मैंने निराशापूर्वक अपने कंधे उचका दिए और अपने मित्र की बेसब्री से प्रतीक्षा करता रहा। मेरे मन में भय की एक सिहरन दौड़ गई थी, क्योंकि मुझे लगा कि उसकी अनुपस्थिति का अर्थ यह हो सकता है कि रात में कोई दुर्घटना हुई हो। दरवाजे पहले ही बंद हो चुके थे और सीटी बज चुकी थी, तभी -

"मेरे प्यारे वॉटसन," एक आवाज ने कहा, "आपने सुप्रभात कहने की भी जहमत नहीं उठाई।"

मैं अचंभित होकर मुड़ा। बूढ़े पादरी ने अपना चेहरा मेरी ओर कर लिया था। एक पल के लिए झुर्रियाँ गायब हो गईं, नाक ठुड्डी से दूर

हो गई, निचला होंठ बाहर निकला हुआ नहीं रहा और मुँह से निकलने वाली बड़बड़ाहट भी शांत हो गई, बेजान आँखों में फिर से चमक आ गई, और झुका हुआ शरीर फैल गया। अगले ही पल पूरा ढाँचा फिर से ढह गया, और होम्स जितनी जल्दी आया था उतनी ही जल्दी चला गया।

"हे भगवान!" मैं चिल्लाई, "तुमने मुझे कितना चौंका दिया!"

"अभी भी हर सावधानी बरतनी ज़रूरी है," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे लगता है कि वे हमारा पीछा कर रहे हैं। अरे, वहाँ तो मोरियार्टी खुद है।"

होम्स के बोलते ही ट्रेन चलने लगी थी। पीछे मुड़कर देखा तो एक लंबा आदमी भीड़ में से रास्ता बनाते हुए तेज़ी से आगे बढ़ रहा था और हाथ हिला रहा था मानो ट्रेन को रुकवाना चाहता हो। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, क्योंकि ट्रेन तेज़ी से रफ्तार पकड़ रही थी और पल भर में ही स्टेशन से आगे निकल गई।

"हमारी तमाम सावधानियों के बावजूद, आप देख सकते हैं कि हम बाल-बाल बच गए," होम्स ने हंसते हुए कहा। वह उठा और अपने भेष को बनाने वाले काले चोगे और टोपी को उतारकर एक हैंडबैग में रख लिया।

"क्या तुमने सुबह का अखबार देखा है, वॉटसन?"

"नहीं।"

"तो आपने बेकर स्ट्रीट के बारे में नहीं देखा है?"

"बेकर स्ट्रीट?"

"उन्होंने कल रात हमारे कमरों में आग लगा दी थी। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।"

"हे भगवान, होम्स! यह असहनीय है!"

"उनके गुंडे की गिरफ्तारी के बाद वे मेरा पता पूरी तरह से खो बैठे होंगे। वरना वे यह सोच भी नहीं सकते थे कि मैं अपने कमरे में लौट आया हूँ। उन्होंने जाहिर तौर पर आप पर नजर रखी है, और इसी वजह से मोरियार्टी विक्टोरिया आया है। आप आने में कोई गलती तो नहीं कर सकते थे?"

मैंने बिलकुल वही किया जो आपने सलाह दी थी।

"क्या आपको अपनी बग्घी मिल गई?"

"हां, यह इंतजार कर रहा था।"

"क्या आपने अपने कोचमैन को पहचाना?"

"नहीं।"

"यह मेरा भाई माइक्रॉफ्ट था। ऐसे मामले में किसी भाड़े के सैनिक को अपने भरोसे में लिए बिना काम करना फायदेमंद होता है। लेकिन अब हमें मोरियार्टी के बारे में योजना बनानी होगी।"

"चूंकि यह एक एक्सप्रेस ट्रेन है, और नाव इसके साथ चलती है, मुझे लगता है कि हमने उसे बहुत प्रभावी ढंग से चकमा दे दिया है।"

"मेरे प्रिय वॉटसन, जब मैंने कहा था कि इस व्यक्ति को बौद्धिक रूप से मेरे समान माना जा सकता है, तो आप शायद मेरे कहने का अर्थ नहीं समझ पाए। आप यह कल्पना नहीं कर सकते कि यदि मैं उसका पीछा कर रहा होता, तो मैं इतनी मामूली बाधा से हार मान लेता। फिर आप उसके बारे में इतना नीचा क्यों सोचते हैं?"

"आपका क्या करते हैं?"

मुझे क्या करना चाहिए?

"फिर तुम क्या करोगे?"

"किसी विशेषज्ञ से संपर्क करें।"

"लेकिन अब तो बहुत देर हो चुकी होगी।"

"बिल्कुल नहीं। यह ट्रेन कैंटरबरी में रुकती है; और नाव पर हमेशा कम से कम पंद्रह मिनट की देरी होती है। वह हमें वहीं पकड़ लेगा।"

"ऐसा लगेगा जैसे हम ही अपराधी हैं। चलो, उसके आते ही उसे गिरफ्तार करवा देते हैं।"

"इससे तीन महीने की मेहनत बर्बाद हो जाएगी। हमें बड़ी मछली पकड़नी चाहिए, लेकिन छोटी मछलियाँ जाल से निकलकर इधर-उधर भागती रहेंगी। सोमवार तक हमें सभी मछलियाँ पकड़ लेनी चाहिए। नहीं, गिरफ्तारी अस्वीकार्य है।"

"तो क्या?"

"हम कैंटरबरी में उतर जाएंगे।"

"और तब?"

"तो फिर हमें न्यूहेवन तक लंबी यात्रा करनी होगी, और फिर वहां से डाइपे जाना होगा। मोरियार्टी वही काम करेगा जो मुझे करना चाहिए। वह पेरिस जाएगा, हमारे सामान की सूची बनाएगा और डिपो में दो दिन इंतजार करेगा। इस बीच हम अपने लिए कुछ कालीन के थैले खरीदेंगे, जिन देशों से होकर हम गुजरेंगे वहां के निर्माताओं को प्रोत्साहित करेंगे, और लक्ज़मबर्ग और बेसल होते हुए आराम से स्विट्जरलैंड की ओर चलेंगे।"

इसलिए, हम कैंटरबरी में उतरे, लेकिन हमें पता चला कि न्यूहेवन जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए हमें एक घंटे तक इंतजार करना पड़ेगा।

मैं अब भी अपने कपड़ों से भरे उस सामान ढोने वाले डिब्बे को बड़े दुख के साथ देख रहा था जो तेजी से गायब हो रहा था, तभी होम्स ने मेरी आस्तीन खींची और रस्सी की ओर इशारा किया।

"पहले से ही, आप देख रहे हैं," उसने कहा।

दूर केंट के जंगलों के बीच से धुएं का एक पतला सा गुबार उठा। एक मिनट बाद, स्टेशन की ओर जाने वाले खुले मोड़ पर एक गाड़ी और इंजन तेज़ी से दौड़ते हुए दिखाई दिए। सामान के ढेर के पीछे छिपने का हमें मुश्किल से ही समय मिला था कि वह गाड़ी खड़खड़ाहट और गर्जना के साथ गुज़र गई, और गर्म हवा का एक झोंका हमारे चेहरों पर लगा।

"देखो, वह चला गया," होम्स ने कहा, जब हम गाड़ी को झूलते और डगमगाते हुए देख रहे थे। "देखो, हमारे दोस्त की बुद्धिमत्ता की भी सीमाएँ हैं। अगर उसने वही अनुमान लगाया होता जो मैंने लगाया था और उसी के अनुसार कार्य किया होता, तो यह एक निर्णायक जीत होती।"

"और अगर वह हमें पकड़ लेता तो क्या करता?"

इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि वह मुझ पर जानलेवा हमला कर सकता था। हालांकि, यह एक ऐसा खेल है जिसमें दो लोग खेल सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या हमें यहीं जल्दी दोपहर का भोजन कर लेना चाहिए, या न्यूहेवन के बुफे तक पहुँचने से पहले भूख से मरने का जोखिम उठाना चाहिए।

हम उसी रात ब्रसेल्स के लिए रवाना हुए और वहाँ दो दिन बिताए, तीसरे दिन स्ट्रासबर्ग तक आगे बढ़े। सोमवार की सुबह होम्स ने लंदन पुलिस को टेलीग्राम भेजा था, और शाम को हमें अपने होटल में उसका जवाब मिला। होम्स ने उसे फाड़कर खोला और फिर गुस्से में बड़बड़ाते हुए उसे चूल्हे में फेंक दिया।

"मुझे पता होना चाहिए था!" वह कराह उठा। "वह भाग गया!"

"मोरियार्टी?"

"उन्होंने उसके अलावा पूरे गिरोह को पकड़ लिया है। वह उन्हें चकमा देकर भाग निकला है। बेशक, जब मैं देश छोड़कर गया था, तब उससे निपटने वाला कोई नहीं था। लेकिन मुझे लगा था कि मैंने खेल उनके हाथों में सौंप दिया है। मुझे लगता है कि वॉटसन, तुम्हें इंग्लैंड वापस लौट जाना चाहिए।"

"क्यों?"

"क्योंकि अब आप मुझे एक खतरनाक साथी पाएंगे। इस आदमी का पेशा खत्म हो चुका है। अगर वह लंदन लौटता है तो उसका भविष्य अंधकारमय होगा। अगर मैंने उसके स्वभाव को सही समझा है तो वह अपनी सारी ऊर्जा मुझसे बदला लेने में लगा देगा। उसने हमारी संक्षिप्त मुलाकात में यही कहा था, और मुझे लगता है कि उसका यही इरादा था। मैं आपको सलाह दूंगा कि आप अपने पेशे में वापस लौट जाएं।"

एक अनुभवी और पुराने मित्र को प्रभावित करने की कोशिश में यह अपील शायद ही सफल हो पाती। हम स्ट्रासबर्ग के बैठक कक्ष में आधे घंटे तक इस मुद्दे पर बहस करते रहे, लेकिन उसी रात हमने अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी और जिनेवा की ओर चल पड़े।

एक सुखद सप्ताह के लिए हम रोन घाटी में घूमते रहे, और फिर ल्यूक से मुड़कर, बर्फ से ढके जेम्मी दर्रे को पार करते हुए, इंटरलेकन होते हुए मेइरिंगेन पहुंचे। यह एक मनमोहक यात्रा थी, नीचे वसंत की हरी- भरी हरियाली और ऊपर सर्दियों की निर्मल सफेदी; लेकिन मुझे यह स्पष्ट था कि होम्स एक पल के लिए भी अपने ऊपर मंडरा रहे साये को नहीं भूले। साधारण अल्पाइन गांवों में हो या सुनसान पहाड़ी दर्रों में, मैं अब भी उनकी तेज नजरों और हमारे सामने से गुजरने वाले हर चेहरे की पैनी निगाहों से समझ सकता था कि उन्हें पूरा यकीन था कि हम चाहे जहां भी चले जाएं, हम उस खतरे से बच नहीं सकते जो हमारे कदमों का पीछा कर रहा था।

मुझे याद है, एक बार जब हम जेम्मी नदी पार कर रहे थे और उदास डाउबेनसी झील के किनारे-किनारे चल रहे थे, तभी हमारे दाहिनी ओर की

पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर लुढ़ककर पीछे झील में जा गिरा और ज़ोरदार आवाज़ हुई। पलक झपकते ही होम्स पहाड़ी पर चढ़ गए और एक ऊँची चोटी पर खड़े होकर चारों ओर गर्दन घुमाने लगे। हमारे गाइड ने उन्हें समझाया कि वसंत ऋतु में उस जगह पर पत्थरों का गिरना आम बात है, लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई। उन्होंने कुछ नहीं कहा, बस मेरी तरफ मुस्कुराते हुए ऐसे भाव से देखा जैसे उनकी उम्मीद पूरी हो गई हो।

और अपनी तमाम सतर्कता के बावजूद वे कभी उदास नहीं हुए। इसके विपरीत, मुझे याद नहीं आता कि मैंने उन्हें कभी इतने प्रसन्न देखा हो। वे बार-बार इस बात पर ज़ोर देते थे कि अगर उन्हें यह आश्वासन मिल जाए कि समाज प्रोफ़ेसर मोरियार्टी से मुक्त हो गया है, तो वे खुशी-खुशी अपने करियर को समाप्त कर देंगे।

"वॉटसन, मुझे लगता है कि मैं यह कहने की हद तक जा सकता हूँ कि मेरा जीवन पूरी तरह व्यर्थ नहीं गया है," उन्होंने कहा। "अगर आज रात मेरा रिकॉर्ड बंद हो जाए, तो भी मैं उसे शांति से देख सकता हूँ। लंदन की हवा मेरी मौजूदगी से और भी मीठी हो गई है। एक हज़ार से ज़्यादा मामलों में, मुझे याद नहीं कि मैंने कभी भी अपनी शक्तियों का इस्तेमाल गलत पक्ष पर किया हो। हाल ही में, मुझे प्रकृति द्वारा प्रदत्त समस्याओं पर ध्यान देने का मन हुआ है, बजाय उन सतही समस्याओं के जिनके लिए हमारी कृत्रिम सामाजिक व्यवस्था ज़िम्मेदार है। वॉटसन, आपके संस्मरण उस दिन समाप्त हो जाएँगे जब मैं यूरोप के सबसे खतरनाक और सक्षम अपराधी को पकड़कर या उसे मौत के घाट उतारकर अपने करियर को शिखर पर पहुँचाऊँगा।"

जो कुछ मुझे बताना बाकी है, उसमें मैं संक्षेप में, लेकिन सटीक रूप से अपनी बात रखूंगा। यह ऐसा विषय नहीं है जिस पर मैं स्वेच्छा से विस्तार से चर्चा करना चाहूं, फिर भी मैं इस बात से अवगत हूं कि मेरा कर्तव्य है कि मैं कोई भी विवरण न छोड़ूं।

तीन मई को हम मेइरिंगेन नामक छोटे से गाँव पहुँचे, जहाँ हमने पीटर स्टीलर सीनियर द्वारा संचालित इंग्लिशर हॉफ में अपना कमरा लिया। हमारे मकान मालिक एक बुद्धिमान व्यक्ति थे और बहुत अच्छी

अंग्रेज़ी बोलते थे, क्योंकि उन्होंने लंदन के ग्रोसवेनर होटल में तीन साल तक वेटर के रूप में काम किया था। उनकी सलाह पर, चार मई की दोपहर को हम सब पहाड़ियों को पार करके रोसेनलाउई नामक छोटे से गाँव में रात बिताने के इरादे से निकल पड़े। हालाँकि, हमें सख्त हिदायत दी गई थी कि पहाड़ियों के लगभग आधे रास्ते में स्थित राइचेनबाख जलप्रपात को देखने के लिए थोड़ा सा चक्कर लगाए बिना किसी भी हालत में उसे पार न करें।

यह सचमुच एक भयानक जगह है। पिघलती बर्फ से उफनता हुआ जलप्रपात एक विशाल खाई में गिरता है, जहाँ से पानी की फुहार जलते हुए घर के धुएँ की तरह ऊपर उठती है। जिस खाई में नदी गिरती है, वह एक विशाल दरार है, जो चमकदार कोयले जैसी काली चट्टानों से घिरी है और एक अथाह गहराई वाले उबलते हुए गड्ढे में सिमटती जाती है, जो उफान मारते हुए अपने ऊबड़-खाबड़ किनारे से पानी को आगे की ओर उछाल देती है। हरे पानी की लंबी धारा लगातार नीचे की ओर गरजती रहती है, और पानी की घनी, झिलमिलाती हुई फुहार लगातार ऊपर की ओर उठती रहती है, उनकी निरंतर गड़गड़ाहट और शोर से मनुष्य का सिर चकरा जाता है। हम किनारे के पास खड़े होकर नीचे काली चट्टानों के बीच टूटते पानी की चमक को देख रहे थे, और खाई से फुहार के साथ गूंजती हुई आधी-मानवीय चीख को सुन रहे थे।

झरने के चारों ओर आधा रास्ता बनाया गया है ताकि पूरा नज़ारा दिख सके, लेकिन यह रास्ता अचानक खत्म हो जाता है और यात्री को उसी रास्ते से लौटना पड़ता है जिससे वह आया था। हम ऐसा करने के लिए मुड़े ही थे कि हमने एक स्विस लड़के को हाथ में एक पत्र लिए दौड़ते हुए देखा। उस पर उसी होटल का निशान था जिसे हम अभी-अभी छोड़कर आए थे और वह पत्र होटल मालिक ने मुझे भेजा था। ऐसा प्रतीत हुआ कि हमारे जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर एक अंग्रेज़ महिला वहाँ पहुँची थी जो टीबी की अंतिम अवस्था में थी। उसने दावोस प्लात्ज़ में सर्दियाँ बिताई थीं और अब ल्यूसर्न में अपने दोस्तों से मिलने जा रही थी, तभी अचानक उसे रक्तस्राव हो गया। ऐसा माना जा रहा था कि वह मुश्किल से कुछ घंटे ही जीवित रह पाएगी, लेकिन एक

अंग्रेज़ डॉक्टर को देखना उसके लिए बहुत बड़ी राहत होगी, और अगर मैं वापस लौट जाऊँ, इत्यादि। भले स्टीलर ने मुझे पत्र के अंत में आश्वासन दिया कि वह स्वयं मेरे सहयोग को एक बहुत बड़ा उपकार समझेगा, क्योंकि महिला ने स्विस चिकित्सक को दिखाने से बिल्कुल इनकार कर दिया था, और वह स्वयं को एक बड़ी ज़िम्मेदारी का भागी महसूस कर रहा था।

यह अपील ऐसी थी जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता था। एक अनजान धरती पर मर रही अपनी हमवतन की विनती को ठुकराना नामुमकिन था। फिर भी होम्स को छोड़ने में मुझे हिचकिचाहट हो रही थी। आखिरकार यह तय हुआ कि जब मैं मीरिंगेन लौटूँगी, तब तक वह उस युवा स्विस संदेशवाहक को अपने साथ मार्गदर्शक और साथी के रूप में रखेगा। उसने कहा कि मेरा दोस्त झरने पर कुछ देर रुकेगा और फिर धीरे-धीरे पहाड़ी पार करके रोसेनलाउई जाएगा, जहाँ मुझे शाम को उससे मिलना था। जैसे ही मैं मुड़ी, मैंने होम्स को एक चट्टान से पीठ टिकाए, बाहें मोड़े, बहते पानी को निहारते देखा। इस दुनिया में यही आखिरी बार था जब मैंने उसे देखा।

जब मैं ढलान के निचले हिस्से के पास पहुँचा तो मैंने पीछे मुड़कर देखा। उस स्थिति से झरने को देखना असंभव था, लेकिन मुझे पहाड़ियों के ढलान से होकर गुजरने वाला घुमावदार रास्ता दिखाई दे रहा था जो झरने तक जाता था। मुझे याद है, उस रास्ते पर एक आदमी बहुत तेज़ी से चल रहा था।

मुझे उसके पीछे हरी पृष्ठभूमि में उसकी काली आकृति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। मैंने उसे और उसके चलने की ऊर्जा को देखा, लेकिन जैसे ही मैं अपने काम के लिए आगे बढ़ा, वह मेरे दिमाग से फिर से निकल गया।

मुझे मीरिंगेन पहुँचने में शायद एक घंटे से थोड़ा अधिक समय लगा होगा। बूढ़ा स्टीलर अपने होटल के बरामदे में खड़ा था।

“अच्छा,” मैंने जल्दी से आते हुए कहा, “मुझे उम्मीद है कि उसकी हालत और खराब नहीं होगी?”

उसके चेहरे पर हैरानी के भाव छा गए, और उसकी भौहों की पहली हल्की सी हलचल देखकर मेरा दिल बैठ गया।

"यह तुमने नहीं लिखा?" मैंने अपनी जेब से चिट्ठी निकालते हुए कहा। "होटल में कोई बीमार अंग्रेज़ महिला तो नहीं है?"

"बिल्कुल नहीं!" वह चिल्लाया। "लेकिन इस पर होटल का निशान है! हा हा, इसे उस लंबे अंग्रेज ने लिखा होगा जो आपके जाने के बाद आया था। उसने कहा था-"

लेकिन मैंने मकान मालिक के किसी स्पष्टीकरण का इंतज़ार नहीं किया। डर के मारे मैं गाँव की गली में दौड़ रहा था और उसी रास्ते की ओर बढ़ रहा था जिससे मैं अभी-अभी नीचे आया था। नीचे आने में मुझे एक घंटा लग गया था। मेरी सारी कोशिशों के बावजूद दो घंटे और बीत गए, तब जाकर मैं एक बार फिर राइचेनबैक की पहाड़ी पर पहुँचा। होम्स का पहाड़ी ढांचा अभी भी उसी चट्टान से टिका हुआ था जहाँ मैंने उसे छोड़ा था। लेकिन उसका कोई निशान नहीं था, और मेरा चिल्लाना व्यर्थ था। मेरी आवाज़ ही मेरे चारों ओर की चट्टानों से गूंजती हुई गूंज के रूप में सुनाई दी।

उस पहाड़ी आदमी को देखकर मेरा मन कांप उठा और मैं बीमार पड़ गया। वह रोसेनलाउई नहीं गया था। वह उस तीन फुट चौड़े रास्ते पर ही रुका रहा, जिसके एक तरफ सीधी दीवार थी और दूसरी तरफ गहरी खाई, जब तक कि उसके दुश्मन ने उसे पकड़ नहीं लिया। वह नौजवान स्विस भी चला गया था। शायद वह मोरियार्टी से पैसे लेता था और उन दोनों को वहीं छोड़कर चला गया था। और फिर क्या हुआ? हमें कौन बताएगा कि उसके बाद क्या हुआ था?

मैं एक-दो मिनट के लिए खड़ा रहा ताकि खुद को संभाल सकूँ, क्योंकि उस भयानक घटना से मैं स्तब्ध था। फिर मैंने होम्स के तरीकों के

बारे में सोचना शुरू किया और इस त्रासदी को पढ़ते हुए उन्हें आज़माने की कोशिश की। अफसोस, ऐसा करना बहुत आसान था। हमारी बातचीत के दौरान हम रास्ते के अंत तक नहीं गए थे, और अल्पाइन झाड़ियों ने उस जगह को चिह्नित कर रखा था जहाँ हम खड़े थे। काली मिट्टी लगातार उड़ती फुहारों से हमेशा नरम रहती है, और कोई पक्षी उस पर अपने पैरों के निशान छोड़ जाता है। रास्ते के दूर वाले छोर पर पैरों के निशानों की दो लकीरें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं, दोनों मुझसे दूर जा रही थीं। कोई भी वापस नहीं आ रहा था। अंत से कुछ गज की दूरी पर मिट्टी पूरी तरह से जोतकर कीचड़ का एक पैच बना दिया गया था, और खाई के किनारे उगी झाड़ियाँ और फर्न उखड़ कर बिखर गई थीं। मैं अपने चेहरे के बल लेट गया और चारों ओर उछलती फुहारों के बीच से झाँकने लगा। मेरे जाने के बाद से अंधेरा छा गया था, और अब मुझे काली दीवारों पर कहीं-कहीं नमी की हल्की चमक दिखाई दे रही थी, और दूर नीचे खाई के अंत में टूटे हुए पानी की हल्की रोशनी झलक रही थी। मैंने चिल्लाया; लेकिन गिरने की वही अधूरी मानवीय चीख मेरे कानों तक ही पहुँची।

लेकिन नियति में लिखा था कि मुझे अपने मित्र और साथी से अंतिम शुभकामनाएँ मिलनी ही थीं। मैंने बताया था कि उसका अल्पाइन-स्टॉक रास्ते पर उभरी एक चट्टान से टिका हुआ था। उस चट्टान के ऊपर से किसी चमकदार चीज़ की रोशनी मेरी नज़र में आई, और हाथ उठाकर देखा तो वह उसके चाँदी के सिगरेट के डिब्बे से आ रही थी जिसे वह अक्सर अपने साथ रखता था। जैसे ही मैंने उसे उठाया, जिस पर वह रखा था, कागज़ का एक छोटा सा टुकड़ा ज़मीन पर गिर गया। उसे खोलकर देखा तो पाया कि वह उसकी नोटबुक से फाड़े गए तीन पन्ने थे और मुझे संबोधित थे। यह उस व्यक्ति की विशेषता थी कि पता इतना सटीक था और लिखावट इतनी स्पष्ट और दृढ़ थी, मानो उसने उसे अपने अध्ययन कक्ष में लिखा हो।

मेरे प्रिय वॉटसन [इसमें लिखा था]:

मैं ये कुछ पंक्तियाँ श्री मोरियार्टी की कृपा से लिख रहा हूँ, जो हमारे बीच के उन प्रश्नों पर अंतिम चर्चा के लिए मेरी सुविधा का

इंतज़ार कर रहे हैं। उन्होंने मुझे उन तरीकों का संक्षिप्त विवरण दिया है जिनसे उन्होंने अंग्रेज़ी पुलिस से बचते हुए हमारी गतिविधियों की जानकारी रखी। इससे उनकी क्षमताओं के बारे में मेरी उच्च राय की पुष्टि होती है। मुझे यह सोचकर खुशी हो रही है कि मैं समाज को उनकी उपस्थिति के किसी भी और प्रभाव से मुक्त कर सकूँगा, हालाँकि मुझे डर है कि इसकी कीमत मेरे मित्रों को, और विशेष रूप से, मेरे प्रिय वॉटसन, आपको दुख पहुँचाएगी। हालाँकि, मैं आपको पहले ही समझा चुका हूँ कि मेरा करियर किसी भी तरह से अपने चरम पर पहुँच चुका था, और इससे बेहतर कोई निष्कर्ष मेरे लिए नहीं हो सकता था। सच कहूँ तो, अगर मैं आपसे पूरी बात कहूँ, तो मुझे पूरा यकीन था कि मीरिंगेन का पत्र एक धोखा था, और मैंने आपको इस उम्मीद में उस काम पर जाने दिया कि कुछ ऐसा ही होगा। इंस्पेक्टर पैटरसन को बता दीजिए कि गिरोह को दोषी ठहराने के लिए जिन कागज़ात की ज़रूरत है, वे कबूतरखाने M में हैं, एक नीले लिफाफे में बंद हैं और उस पर "मोरीआर्टी" लिखा है। मैंने इंग्लैंड छोड़ने से पहले अपनी सारी संपत्ति का निपटारा कर दिया था और उसे अपने भाई माइक्रॉफ्ट को सौंप दिया था। कृपया श्रीमती वॉटसन को मेरा नमस्कार कहिएगा, और विश्वास कीजिए, मेरे प्रिय साथी, शर्लक होम्स।

कुछ शब्द ही शेष तथ्यों को संक्षेप में बताने के लिए पर्याप्त होंगे। विशेषज्ञों की जांच से इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि दोनों व्यक्तियों के बीच व्यक्तिगत संघर्ष का अंत, जैसा कि ऐसी स्थिति में होना ही था, एक-दूसरे की बाहों में जकड़े हुए उनके लड़खड़ाने के साथ हुआ। शवों को बरामद करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से निष्फल था, और उस भयानक उबलते पानी और खौलते झाग के गड्ढे में, अपनी पीढ़ी का सबसे खतरनाक अपराधी और कानून का सबसे बड़ा रक्षक हमेशा के लिए दफन रहेगा। स्विस युवक फिर कभी नहीं मिला, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह मोरियार्टी द्वारा नियुक्त कई एजेंटों में से एक था। गिरोह के बारे में, जनता को यह बात अच्छी तरह से याद होगी कि होम्स द्वारा जुटाए गए सबूतों ने उनके संगठन को किस प्रकार पूरी तरह से उजागर किया था, और मृत व्यक्ति का उन पर कितना गहरा प्रभाव था। कार्यवाही के दौरान उनके भयानक कारनामों

[redacted]